भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

12.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1560 का उत्तर

नांदेड रेलवे स्टेशन का विकास

1560. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र राज्य में नांदेड रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने की योजना है;

(ख) यदि हाँ, तो परियोजना के मुख्य घटक क्या हैं;

(ग) इस परियोजना में अब तक किए गए कार्यों एवं उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस परियोजना के पूर्ण होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): हाल के वर्षों में, हजूर साहिब नान्देड रेलवे स्टेशन पर कैरिज वाटरिंग सिस्टम और प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर प्रतीक्षालय में सुधार के कार्य निष्पादित किए गए हैं।

महाराष्ट्र राज्य में पड़ने वाले हजूर साहिब नान्देड रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हजूर साहिब नान्देड रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लानिंग शुरू हो गई है। यह एक पुनरावृत्ति प्रक्रिया है जिसके लिए इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस तरह के इष्टतमीकरण के लिए समय-सीमा इस चरण पर इंगित नहीं की जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप से लागू करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप व्यापक पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की सुविधा
- प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्मों पर कवर का सुधार/प्रावधान
- एक स्टेशन वन उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण
- दिव्यांगजन के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- कार्यकारी लॉउन्ज, व्यावसायिक बैठकों के लिए विशिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि की सुविधा।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान, और दीर्घकाल में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से हजूर साहिब नान्देड सहित 132 स्टेशन महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में पुनर्विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	**स्टेशनों की संख्या**	**स्टेशनों के नाम**
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली,

		भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गौंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जं., कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जं., कुर्ला जं., लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जं., लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जं., मुदखेड़ जं., मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जं., नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जं., पालघर, पंढरपुर, पनवेल जं., परभणी जं., परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जं., पुणे जं., पूर्णा जं., रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में 17 स्टेशनों (आमगांव, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शाहाद, वाडला रोड, बारामती और नंदुरा) का निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किया जाता हैं। कार्यों की स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य स्टेशनों के विकास/उन्नयन संबंधी कार्य सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। नान्देड जंक्शन दक्षिण मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है जिसके लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 863 करोड़ रूपए (बजट अनुमान) का आबंटन किया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस चरण पर कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****